

ग्रेनो में रोबोटिक्स पार्क का होगा निर्माण, एआई से लैस रोबोट बनेंगे

पार्क के विकसित होने पर 6000 करोड़ रुपये का निवेश होगा फिजिकल एआई व रोबोटिक्स में

अतुल भारद्वाज

ग्रेटर नोएडा। एआई और मानवीय संवेदनाओं से लैस रोबोट व ह्यूमेनॉयड ग्रेटर नोएडा में भी बनेंगे। इसके लिए रोबोटिक्स पार्क का विकास किया जाना है। पार्क के विकसित होने के बाद करीब 6000 करोड़ रुपये का निवेश सीधे तौर पर फिजिकल एआई और रोबोटिक्स में आएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद अब परियोजना पर काम शुरू होगा।

आठ साल पहले इस दिशा में ग्रेटर नोएडा रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी पार्क के नाम से प्रयास शुरू हुआ था। साल 2018 में प्रदेश सरकार ने एआई और रोबोटिक्स पर काम कर रही स्टार्टअप के साथ एमओयू भी किया था। उस समय केवल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए 350 करोड़ रुपये की जरूरत बताई गई थी।

अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक आलोक कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री ने पिछले दिनों डीप टेक हब बनाए जाने की बात की थी। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की तरफ से प्रजेंटेशन भी दिया गया, जिसमें तय हुआ कि ग्रेटर नोएडा में रोबोटिक्स पार्क बनाए जाने पर काम किया जाए। अब ग्रेनो प्राधिकरण रोबोटिक्स पार्क के लिए जमीन चिह्नित करने के अलावा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कराने की



एआई तस्वीर

जमीन चिह्नित करने व इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कराने की तैयार होगी कार्ययोजना

कार्ययोजना तैयार करेगा। इसके लिए 75 से 100 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी।

कई बड़ी कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए तैयार हैं और ग्रेनो प्राधिकरण व यूपी शासन के अलावा सहयोगी एजेंसियों के संपर्क में हैं। स्पेक्ट्रॉम रोबोटिक्स और रिलायंस के निवेश वाली एडवर्ब जैसी कंपनियों की ग्रेटर नोएडा में पहले से मौजूदगी बेहतर इको सिस्टम विकसित करने व रोबोटिक्स पार्क बनने से मददगार होगी।

डीप टेक फंड में यू-हब के लिए 100 करोड़ आवंटित : डीप-टेक और ऑटोमेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रगति

चीन से हमको सीखने की जरूरत

ग्रेटर नोएडा रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी पार्क के लिए प्रदेश सरकार के साथ 2018 में एमओयू करने वाली कंपनी इनोग्रेस के लीड पार्टनर सुमंत परिमल का कहना है कि परियोजना पर काम शुरू होने में अकेली अड़चन जमीन की उपलब्धता रही। अगर नई तकनीक को सुविधाएं देकर आगे बढ़ाना है तो इसके लिए हमें चीन से सीखने की जरूरत है। निवेशकों को डीप टेक फंड से आर्थिक सहयोग से कहीं अधिक जरूरत जमीन की उपलब्धता है। इसके लिए नीतियों को शिथिल करने की जरूरत है।

परियोजना से रोबोटिक्स पार्क के विकास के लिए सहयोग किया जाना है। मुख्यमंत्री ने भी स्पष्ट कहा है कि प्रदेश को रोबोटिक्स और एआई का राष्ट्रीय हब बनाने के लिए व्यापक रोडमैप पर काम करने की जरूरत है।

डीप टेक फंड में यू-हब के लिए 100 करोड़ का बजट भी आईटी विभाग को प्रदेश सरकार ने आवंटित किया हुआ है। रोबोटिक्स पार्क देश का पहला समर्पित क्लस्टर होगा, जहां रोबोटिक्स मैनुफैक्चरिंग के साथ एडवांस्ड टेस्टिंग सुविधाएं मौजूद होंगी।

यीडा में ईएमसी 2.0 को मिली अनापत्ति, तेज होगा उत्पादन

ग्रेटर नोएडा। यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) के सेक्टर-10 में स्थापित हो रहे इलेक्ट्रॉनिक मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी 2.0) को स्टेट लेवल एनवायरमेंट इंपैक्ट असेसमेंट अथॉरिटी (एसईआईए) से पर्यावरण की मंजूरी मिल गई है। इस अनापत्ति के बाद अब यहां इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का विनिर्माण तेजी से शुरू हो सकेगा। करीब 206 एकड़ में फैले इस क्लस्टर में 538 करोड़ रुपये की लागत से बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस क्लस्टर की पहली प्रमुख इकाई एसेंट-के सर्किट का शिलान्यास किया था।

पर्यावरण अनापत्ति मिलने से इस वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स हब में विकास कार्य गति पकड़ेंगे। क्लस्टर के विकास के लिए प्राधिकरण ने एसईआईए के समक्ष आवेदन किया था, जिसे निर्धारित मानकों की समीक्षा के बाद मंजूरी प्रदान कर दी गई। इन उत्पादों का उपयोग मोबाइल फोन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मेडिकल उपकरण, रक्षा और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स सहित कई क्षेत्रों में किया जाता है। 16 एकड़ में लगने वाले इस प्लांट में मोबाइल, मेडिकल उपकरण, ऑटोमोबाइल और रक्षा क्षेत्र के लिए अत्याधुनिक प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (चिप सर्किट) बनाए जाएंगे।

हैवेल्स इंडिया 50 एकड़ भूमि पर करीब 800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। डिकसन टेक्नोलॉजीज 22.49 एकड़ भूमि पर मोबाइल और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए क्षमता विस्तार करेगी। ब्यूरो